**Verses from the Holy Quran concerning Muhammad [Upon him be peace]**

**These verses have been taken from: The Meaning of THE HOLY QURAN: Complete Translation with Selected Notes by Abdullah Yusuf Ali, The Islamic Foundation, Markfield, Leicestershire, UK, 2003**

**Copied and typed by Dr Umar Azam, using the Index from Abdullah Yusuf Ali’s Translation in May 2011**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **Fact** | **Surah Number, Verse** | **Content** |
|  |  |  |
| **Muhammad’s [Peace be upon him] Mission** | **7:158** | **Say: “O men! I am sent unto you all as the Messenger of Allah unto Whom belongs the dominion of the heavens and the earth. There is****no god but He. It is He that gives both life and death. So believe in Allah and His Messenger, the unlettered Prophet, who believes in Allah and His Words. Follow Him so that you may be guided.”**  |
|  |  |  |
|  | **48:8-9** | **We have truly sent you as a witness, as a bringer of Glad Tidings, and as a Warner, in order that you [O men] may believe in Allah and His Messenger, that you may assist and honour Him, and celebrate His praises morning and evening.**  |
|  |  |  |
| **Respect is due to Muhammad [Peace be upon him]** | **2:104** | **O you of Faith! Say not [to the Messenger] words of ambiguous import, but words of respect; and hearken [to him]: to those without Faith is a grievous punishment.** |
|  |  |  |
| **Muhammad [Peace be upon him] was sent as a favour to the Believers** | **3:164** | **Allah did confer a great favour on the believers when he sent among them a messenger from among themselves, rehearsing unto them the Signs of Allah, sanctifying them, and instructing them in Scripture and Wisdom, while, before that, they had been in manifest error.** |
|  |  |  |
|  | **4:170** | **O Mankind! The Messenger has come to you in truth from Allah: believe in him: it is best for you. But if you reject Faith, to Allah belong all things in the heavens and on earth: and Allah is All-Knowing, All-Wise.** |
|  |  |  |
| **Muhammad [Peace be upon him] was sent as a favour to the People of the Book** | **5:15** | **O People of the Book! There has come to you Our Messenger, revealing to you much that you used to hide in the Book, and passing over much [that is now unnecessary]: there has come to you from Allah a [new] light and a perspicuous Book, - wherewith Allah guides all who seek His good pleasure to ways of peace and safety, and leads them out of darkness, by His Will, unto the light, - guides them to a path that is straight.** |
|  |  |  |
|  | **5:19** | **O People of the Book! Now has come unto you, making [things] clear unto you. Our**  |
|  |  | **Messenger, after the break in [the series of] Our messengers, lest you should say: “There came unto us no bringer of glad tidings and a warner [from evil]. And Allah has power over all things.** |
|  |  |  |
| **Muhammad [Peace be upon him] is a Mercy to Believers** | **9:61** | **Among them are men who molest the Prophet and say, “He is all ear.” Say, “He listens to what is best for you: he believes in Allah, has faith in the Believers, and is a Mercy to those of you who believe.” But those who molest the Messenger will have a grievous penalty.** |
|  |  |  |
| **Muhammad [Peace be upon him] is a Mercy to all creatures** | **21:107** | **We sent you not, but vas a mercy for all creatures.** |
|  |  |  |
| **Muhammad [Peace be upon him] is a Mercy from Allah** | **33:45-48** | **O Prophet! Truly We have sent you as a Witness, a Bearer of Glad Tidings, and Warner, - and as one who invites to Allah’s [Grace] by His leave, and as a Lamp spreading Light. Then give the Glad Tidings to the Believers, that they shall have from Allah a very great Bounty. And obey not [the behests] of the Unbelievers and the Hypocrites, and heed not their annoyances, but put your trust in Allah. For enough is Allah as a Disposer of affairs.** |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |